भगवान श्री कृष्ण की तरह भगवान श्री कल्कि सत्युग का शंखनाद करते हुए

भगवान श्री कल्किकी तरह महाभारत में भी श्रीकृष्ण ने कहा कि—भाग्यशाली वस्तुत: वही हैं जो स्वयं महान होते हुए भी समाज को ऊँचा उठाने का कार्य करते हैं। डी.एस. ग्रुप ने दीपावली पर्व पर श्री कल्कि का जो विलक्षण बहुरंगा मीनाकारी जैसा कलैंडर निकाला है, इसके लिए यह ग्रुप साधुवाद का पात्र है। श्री कल्कि बाल वाटिका इनके द्वारा नैतिक व आध्यात्मिक समाज उद्धार के कार्यों से इनकी बहुमुखी वृद्धि की कामना करती है।

सन् 2009 से नैमिषारण्य तीर्थ से 2013 अग्रोहा धाम तक का सफर

माँ ललिताम्बा मंदिर जहाँ माँ सती का कटि भाग गिरा था, यहीं भगवान श्री कल्कि जनवरी 2009 में विराजे

स्वप्नमयी माँ गंगा

अग्रवालों की कुल देवी मां महालक्ष्मी

वैश्य वंश शिरोमणि महाराजा अग्रसेन

हे गंगा माँ आप किसी से कम नहीं

हे आकाश विहारिणी माँ गंगे, त्रिदेवों (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) के विशिष्ट आग्रह पर भागीरथ के पूर्वजों को तारने के लिए जब आप ब्रह्मा जी के कमंडल से पृथ्वी पर आने को बाहर आईं तब से हम जान गए कि आप किसी से कम नहीं। आप त्रिदेवों की नस हो। यह आपकी मानते हैं। हे भागीरथी! महाविष्णु के कलियुग के युगावतारी भगवान श्री कल्कि को प्रगट होने के लिए प्रचार, प्रचार सिर्फ प्रचार चाहिए। हे विमले! इस दीपावली की शुभ वेला पर (हे जगतारिणी, जैसे अक्टूबर 2009-2013 तक आपने मुझ श्री कल्कि सेवक पर अहैतु की कृपा करके लगभग 38 मूर्तियाँ भगवान श्री कल्कि की लगवाने की शक्ति एवं रास्ते दिए) श्री कल्कि बाल वाटिका (समस्त) के देवी-देवता-अप्सरा-ऋषि-मुनि-गंधर्व जो श्री कल्कि के कार्यों को लिए जन्मे हैं अथवा जन्म लेने वाले हैं पर मेरे से भी अधिक अहैतु की कृपा करके सबको गेंदे के पुष्प की तरह ऐसा संगठित कर दो कि हम सब तन-मन-धन से भगवान श्री कल्कि के प्रचार, प्राकटय के विभिन्न कार्य करते हुए उनकी ऐसी पुकार करें कि हमारे प्रभु श्री कल्कि शीघ्र अति शीघ्र प्रगट हों।

हाँ मैं पड़ गई हूँ कल्कि भगवान के चक्कर में स्नेहा गुप्ता, कोलकाता	4
कैसे शुरू होता है जयपुर में कल्कि भगवान की मूर्ति का सफर? -अनुज रस्तोगी	6
ग्यारह कुंडीय हवन -नोएडा में 10 नवंबर 2013 को ग्रीन पार्क श्री कल्कि बाल वाटिका में कुंडीय यज्ञ 9 नवंबर सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी - अशोक विहार - पटपड़गंज साहित्यिक-सत्संग प्रति सप्ताह बुधवार -चांदनी चौक, दिल्ली	5
हाय रे सितंबर मास की बच्चों की धार्मिक मासिक पत्रिका न होकर राजपुर रोड पुराण हो गई ?	4
श्री कल्कि बाल वाटिका की अक्टूबर माह की उपलब्धियाँ	2
संभल सुप्त तीर्थ जागरण अभियान— 24 नवंबर 2013 को श्री चंद्रेश्वर महादेव पर तीनों पुष्कर (ज्येष्ठ, मध्यम एवं कनिष्ठ) तीर्थ के निमित्त श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ	3

श्री कल्कि बाल वाटिका संस्कार रोपण कार्यशालाएं

दिल्ली विश्वविद्यालय	24 नवंबर
पटपड़गंज	24 नवंबर
यमुना विहार	17 नवंबर
नोएडा	10 नवंबर
पंजाबी बाग	24 नवंबर
महावीर नगर	24 नवंबर
गगन विहार	24 नवंबर
मॉडल बस्ती	24 नवंबर

Join Kalki Group (Real)
soundcloud.com/kalkigroup-real

कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना —आभार : रश्मि गुप्त

श्री कल्कि बाल वाटिका की अक्टूबर माह की उपलब्धियाँ

अग्रोहा धाम (हरियाणा) में भगवान श्री कल्कि का दरबार प्रतिष्ठित होने के पश्चात वहीं महालक्ष्मी ने श्री कल्कि संग्रहालय (म्यूजियम) के लिए जगह दिलवाई। यहीं 18 अक्टूबर 2013 को आयोजित महालक्ष्मी एवं महाराजा अग्रसेन की जयंती के अवसर पर भगवान श्री कल्कि के संग्रहालय का मॉडल लगभग 80,000 दर्शनार्थियों के बीच प्रदर्शित किया गया। भगवान श्री कल्कि के छपे 30000 लीफलेटों से भी भारत के विभिन्न भागों से आए अग्रवाल समाज व वैष्णव भक्त समाज लाभान्वित हुआ। इस सुअवसर पर श्री नन्द लालगोयनका जी की सुपुत्री श्रीमती कुसुम रावलवासिया द्वारा मथुरा से बना विशेष मुकुट भगवान श्री कल्कि को पहनाया गया। जयंती के अवसर पर हजारों स्कूली बच्चों ने भी भाग लिया।

18 अक्टूबर 2013 को अग्रोहा धाम में महालक्ष्मी को लगाए गए 56 भोग का दृश्य

18 अक्टूबर 2013 को अग्रोहा धाम में स्कूली बच्चों का एक दृश्य

24 नवंबर 2013 को संभल सुप्त तीर्थ जागरण अभियान के अंतर्गत श्री चंद्रेश्वर महादेव पर तीनों पुष्कर (ज्येष्ठ, मध्यम एवं कनिष्ठ) तीर्थों के निमित्त श्री कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ

जुलाई 2012 में सुश्री इंदू बंसल ने संभल में नीलम वार्ष्णेय एवं काजल वार्ष्णेय सहित कल्कि भक्तों के सहयोग से संभल सुप्त तीर्थ जागरण अभियान का शुभारंभ किया। इसमें वह अब तक 16 बार संभल जा चुकी हैं । हर महीने दिल्ली व संभल से कल्कि भक्त सर्वप्रथम गंगा जी के घाट पर स्नान, हवन व तर्पण करके संभल में प्रत्येक तीर्थ पर हवन का आयोजन करते हैं। प्रस्तुत हैं उसकी कुछ झलकियां। प्रति माह की भांति 24 नवंबर को चन्द्रेश्वर व 18 दिसंबर को मृत्यु तीर्थ पर कल्कि सहस्त्रनाम यज्ञ किया जाएगा।

1 पहले नवरात्र 9 अक्टूबर 2013 के शुभ अवसर पर माँ वैष्णवी की पुकार का हृदयविदीर्ण एक भजन श्री कल्कि आ जाओ एक बार यू ट्यूब पर रिलीज किया गया →

www.youtube.com/kalkibalvatika

नैमिषारण्य तीर्थ में माँ ललिता के मंदिर में स्थापित भगवान श्री कल्कि की मूर्ति के रख-रखाव का कार्य सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। ← **2**

3 * अग्रोहा विकास ट्रस्ट की पत्रिका अग्र दर्पण के सितंबर अंक में भगवान श्री कल्कि की मूर्ति स्थापना अग्रोहा धाम में और पितृ पक्ष का लेख (लेखिका : सुश्री संगीता गर्ग) प्रकाशित हुआ उसकी एक झलक →

***इंटरनेट की दुनिया के अखबार Webdunia.com ने प्रकाशित किया**

कब प्रगट होंगे कल्कि?

यह पोस्ट पढ़ने व देखने के लिए नीचे लिखे लिंक को क्लिक करें—

http://goo.gl/86au9m **4**

संभल में चामुंडा माँ के मंदिर में भगवान श्री कल्कि, पदमा जी एवं रमा जी की मूर्ति के आगे शीशे का फ्रेम एवं साहित्य की 156 कि.ग्रा. की स्टील की अलमारी का निरीक्षण परीक्षण करते हुए मामाजी ↑ **4**

5 ग्रीन पार्क सनातन धर्म मंदिर में प्रत्येक माह के दूसरे रविवार को सुश्री इंदू बंसल 13 अक्टूबर को कुंडीय हवन करवाती हुईं ↓

कोलकाता पत्रिका से हाँ मैं पड़ गई हूँ कल्कि भगवान के चक्कर में

स्नेहा गुप्ता-9831342993

आज से पाँच साल पहले 2008 में मैं अपने दोस्त के घर बैठी यूँ ही बातचीत कर रही थी, तभी उसने मुझसे कहा-तुम्हें पता है कल्किजी की पूजा होती है? मैंने कहा-नहीं लेकिन मुझे जानने की जिज्ञासा थी। उस क्षण मुझे यह नहीं पता था कि यह सत्संग मेरी जिंदगी के मायने बदल देगा।

बचपन से ही मैं अक्सर अपने प्रिय लड्डू गोपाल से प्रार्थना करती थी-हे प्रभु, आपके जो अवतार हो गए हैं, मैं नहीं जानती कि उस समय मैंने आपकी लीलाओं का आनंद लूटा था या नहीं लेकिन कलियुग में जो आपका कल्कि अवतार होगा, मुझे उसमें जरूर शामिल करिएगा। तब नहीं जानती थी कि मेरी यह प्रार्थना प्रभु ने सहस्त्र कानों से सुनकर तथास्तु कह दिया है।

जब मैंने कल्किजी की पूजा शुरू की थी तब कुछ कल्कि भक्तों ने मुझसे पूछा कि तुम यह पूजा क्यों करना चाहती हो? उनका पूछना सही था, क्योंकि अक्सर लोग **जब किसी परेशानी में होते हैं या दूसरे भक्तों पर प्रभु की असीम कृपा देखते हैं तब पूजा शुरू करते हैं, पर मेरे साथ ऐसा नहीं था।** यह बात कि मेरे नारायण का कल्कि अवतार लेने का समय आ गया है, यही मेरे उत्साह का एकमात्र कारण था।

कल्कि जी का नाम मेरे जीवन में आते ही चमत्कार होने शुरू हो गए। प्रभु श्री कल्कि ने पग-पग पर स्वप्नानुभवों के द्वारा मुझे मार्गदर्शन देना शुरू कर दिया। शुरू में विपरीत अनुभव देख कर मैं डर जाती थी लेकिन धीरे धीरे मुझे समझ आया कि इसमें डरने की तो कोई बात ही नहीं है। भगवान तो समय से पहले मुझे चेतावनी दे रहे हैं जिससे मैं उपचार करके कलि के प्रहारों से बच सकूँ। भगवान श्री कल्कि की स्वप्नानुभवलीला अन्य देवी देवताओं की पूजा से थोड़ी अलग है, जो सुनता मुझसे कहता-ये तुम किस चक्कर में पड़ रही हो? छोड़ दो ये बहम-बाजी। पर अब मैं कहाँ सुनने वाली थी, क्योंकि मुझे तो मेरे प्रभु श्री कल्कि न चुन लिया था। समय अपनी रफ्तार से बढ़ता गया और कल्कि जी के चमत्कार और कृपा भी। कल्कि जी की कृपा से मुझे सी.एफ.ए. इंटरनेशनल की डिग्री मिली। उन्होंने मुझे जीने का तरीका सिखाया, जो आज के नौजवान भूलते जा रहे हैं। कल्कि जी के कारण मुझे इस बात का अहसास है कि मेरा बुरा नहीं हो सकता क्योंकि मेरे प्रभु श्री कल्कि मेरे साथ हैं क्योंकि मैं उनके द्वारा दिए गए स्वप्नानुभवों की अवहेलना नहीं करती।

सुश्री स्नेहा गुप्त

हम जिस सोसायटी में रहते हैं **वहाँ की बिल्डिंग में अक्सर आग लगती रहती है, कई बार तो हमारी जान पर भी बन आई। जब से कल्कि जी की पूजा हमने शुरू की है तब से इन 5 सालों में एक बार भी ऐसा नहीं हुआ।** प्रभु श्री कल्कि की उदारता तो देखिए मेरे परिवार के साथ हमारी पूरी सोसायटी का भला किया।

आज अनिश्चितता भरे घोर कलियुग में मैं **अगर बेफिक्र होकर जिंदगी जी सकती हूँ** तो वह सिर्फ इसलिए क्योंकि **कल्किजी मेरे साथ हैं।** आज हर व्यक्ति के चेहरे पर शिकन है, कलियुग ने जिम्मेदारी जो ले रखी है सबको तनाव देने की, ऐसे में कलि का अंत करने वाले एक मात्र मेरे प्रभु श्री कल्कि ही तो हैं, जो आपको चिंता मुक्त कर आपके जीवन को सकून व खुशियों से भर देंगे। इसलिए आज मैं गर्व से कह सकती हूँ—हाँ मैं पड़ गई हूँ कल्कि भगवान के चक्कर में। ये वास्तविकता का चक्कर है। ये एक भक्त का अपने भगवान से मिलन का चक्कर है।

हाय रे सितंबर मास की बच्चों की धार्मिक मासिक पत्रिका न होकर राजपुर रोड पुराण हो गई ?

(सितंबर 2013 मास की पत्रिका में राजपुर रोड पर छपी परिवार की आपबीतियों पर मोबाइल पर मामाजी को मिले सत्संगमयी सूचनाओं के संदर्भ में)

मामाजी

हाँ कल्कि भक्त समुदाय पत्रिका पैनल ने राजपुर रोड पुराण ही छापा है। जब कोई टहनी अपने पेड़ की समस्त टहनियों से अलग दूसरी दिशाओं से निकलती है और पल्लवित पुष्पित भी होती है, फिर भी और समस्त टहनियों से अलग होने की टीस सके दिल को दुखाती है। मैं भगवान श्री कल्कि के सच्चे रास्ते पर निकला था लेकिन मेरे परिवार वाले मेरे साथ नहीं थे। यहाँ कल्कि समाज की आँखों में यह प्रश्न भी कौंधता था कि मेरा इतना बड़ा परिवार मेरे साथ नहीं है। जो मुझे भी चुभता था। आज 25 वर्ष बाद मेरे सच्चे कल्कि भगवान की अनंत कृपा हुई है कि मेरा पूरा परिवार कल्कि भगवान की जय बोलने में मेरे साथ हो गया। अत: मेरे कल्कि भगवान सच्चे, मेरे गुरुजी के सिद्धांत सच्चे अब समय आ गया है कि यह सच पूरे कल्कि समाज में बाँटना ही मेरे लिये, मेरे कल्कि भगवान के प्राकट्य प्रचार का कार्य है। मुझे तो हार्दिक प्रसन्नता होगी कि और मेरी तरह बिछड़ी अथवा आप सबकी असंगठित टहनियाँ भी अपने परिवारों के ऐसे सच्चे वैभवताशाली आभार भेजें जिन्हें मैं कल्कि पैनल से अनुरोध करूंगा कि वह उन्हें भी छापें इससे कल्कि भगवान के प्राकट्य के प्रचार के कार्यों को संपूर्ण मदद मिलेगी।

—मामाजी (9136377829)

ग्यारह कुंडीय हवन

स्थान : एक्सप्रेस व्यू अपार्टमेंट

सैक्टर-104 नोएडा दिनांक : 10 नवंबर 2013 कार्यक्रम :

हवन : प्रात: 9:30 बजे से 11:30 बजे तक

आरती एवं परिक्रमा : 11:30 बजे से 12 बजे तक

भोजन : दोपहर 12:30 बजे से 1:30 बजे तक

संकीर्तन एवं सत्संग : 1:30 बजे से 4 बजे तक

सुश्री मुक्ता शर्मा

10 नवंबर 2013 को ग्रीन पार्क श्री कल्कि बाल वाटिका में कुंडीय यज्ञ

ग्रीन पार्क, शिव मंदिर के ब्लॉक में पिछले मास की भांति बाल वाटिका में प्रत्येक बच्चे को अलग से पूजा के सामान के साथ हवन कुंड दिया जाएगा जिसमें उनके साथ उनकी माता, भाई-बहिन सम्मिलित होकर बताए तरीके से हवन करेंगे और घरों पर कराएंगे। सुश्री राज गोयल (9350992278) सुश्री रेनू बंसल, सुश्री कनिका मोदी, सुश्री पूर्णिमा अग्रवाल, सुश्री इंदू बंसल (011-32448401) बच्चों को हवन का महत्व बताएंगी और कराएंगी।

सुश्री इंदू बंसल

हवन सामग्री— पूजा सामग्री के बैग में जो बिना सत (तेल) निकली विशुद्ध जड़ी बूटियों से बनी हवन सामग्री मार्किट कीमत में लगभग 550 रु किलो को हमारे साथी के प्रयासों से 250 रु प्रति कि.ग्रा. लागत आई है। क्योंकि भगवान को पाने के लिए हवन अत्यंत सक्षम है। अत: हम 200 रु प्रति कि.ग्रा. की कीमत पर यह हवन सामग्री जब तक है उपलब्ध करवा रहे हैं। विशेष : इस हवन सामग्री से हवन करने के उपरांत घर के वातावरण में दिन भर दक्षिण भारतीय घरों की तरह अपना अहसास कराती है।

प्राप्ति स्थान : श्री कल्कि बाल वाटिका 1903, चाँदनी चौक, पहली मंजिल गुरुद्वारा शीशगंज के सामने, दिल्ली-6, 23866661 23866646

सत्संगमयी अनुभव गोष्ठी

दिनांक : शनिवार 9 नवंबर 2013
स्थान : एम.के. हाउस, सी-2/8 अशोक विहार फेज-2
दीप सिनेमा के सामने, नई दिल्ली-52
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री राकेश गोयल, सुश्री सुषमा गोयल (9899698240)
संचालिका- सुश्री इंदू बंसल (011-32448401)

दिनांक : शनिवार 9 नवंबर 2013
स्थान : जी-3 थर्ड फ्लोर,मित्रद्वीप अपार्टमेंट*
पटपड़गंज दिल्ली-92
समय : दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक
संपर्क : श्री सुनील गर्ग, सुश्री संगीता गर्ग (9873349478)
संचालिका- सुश्री मेघना गोयल (913677829)

माला (जाप) के तेज को स्थाई रखने व फल (शक्ति) प्राप्ति का सुगम तरीका

साहित्यिक-सत्संग प्रति सप्ताह बुधवार

यूँ न गिरना कि गिर के संभल न सको,
अपनी ही भूल पर फूल फल न सको।
बात सुन लीजिए मत उफन जाइए,
कल्कि भगवान के भक्त बन जाइए।
बिनु सत्संग विवेक न होई-

स्थान : 1903, चांदनी चौक, दिल्ली-6
समय : दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक
कभी भी आएं कभी भी जाएं
छिद्धयन्ति हृदय ग्रंथियां अर्थात् सत्संग से हृदय में पड़ी संशय की गांठे खुलने लगती हैं।

** यदि आप अपनी परेशानियों को गुप्त रखना चाहें तो हमें लिखा हुआ दें तो हमारा पैनल लिखित में जवाब देंगे। आप अगर अनुभव ला रहे हैं तो कृप्या लिख कर लाएं, सत्संग गोष्ठी में अनुभव का जवाब नहीं दिया जाएगा। उसका जवाब आपको बाद में अनुभव गोष्ठी में मिलेगा अथवा पोस्ट द्वारा भेजा जाएगा। (कृप्या मामाजी के लिए आने से पहले अवश्य पूछ लें कि मामाजी दिल्ली में हैं? बाकी पैनल मैंबर आपको मिलेंगे।)*

जितनी देर माला करें उससे पहले या बाद में श्री गुरु जी द्वारा लिखित महाक्रांतिकारी की खोज में से भजन पढ़ने के बाद लिखे भावार्थ पढ़ने से आपके धन की उत्तरोत्तर वृद्धि होगी।

संकलन : 2-इन-1 पुस्तक में पृ.-196 स्त्री शिक्षा बालको की शिक्षा का ध्येय क्या होना चाहिए

श्री कल्कि बाल वाटिका

महाविष्णु का ऐसा चमत्कारी अवतार जिनकी आने से पहले शक्ति पीठों सिद्ध पीठों एवं धामों में मूर्तियां लग रही हैं ओर विधिवत पूजा हो रही है

ईस्कॉन मंदिर
ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-65

गौरी शंकर मंदिर, चांदनी चौक
दिल्ली

दानघाटी मंदिर
गिरिराज जी गोवर्धन

कूष्माण्डा
दुर्गाकुण्ड परिसर
कांशी वाराणसी

माँ विंध्येश्वरी
विंध्याचल, मिर्जापुर
यू.पी.

दशाश्वमेघ घाट
शीतला माँ मंदिर
कांशी वाराणसी

हनुमान मंदिर
कनॉट प्लेस दिल्ली

हनुमान मंदिर
किरोड़ीमल कॉलेज परिसर
दिल्ली विश्वविद्यालय

श्री कल्कि महाराज मंदिर
हवा महल जयपुर

श्री कल्कि विष्णु मंदिर
कूचा पाती राम दिल्ली

श्री कल्कि विष्णु मंदिर
संभल (यू.पी.)

श्री काली मंदिर
काली घाट कोलकाता

माँ राणी सती मंदिर
काकुड़ गाची कोलकाता

मुक्तेश्वर मंदिर
नैनीताल उत्तरांचल

माँ योगमाया मंदिर
महरौली दिल्ली

अमृत परिसर
ब्रजघाट गढ़गंगा

श्री कालका जी मन्दिर
लोट्स टेम्पल के सामने,
निकट नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-65

श्री दुर्गा मन्दिर, 923, सब्जी मण्डी घंटाघर,
दिल्ली-7

दूधिया भैरों मन्दिर, पुराना किला,
दिल्ली

सनातन धर्म संस्थान, विद्युत् परिसर, राजपुर रोड,
ट्रांसपोर्ट अथॉर्टी के बराबर,
दिल्ली-54

बैद्यनाथ धाम, पटना
अग्रोहा धाम, सिरसा
लक्ष्मीनारायण मंदिर, नोहरिया बाजार
सिरसा

शोवा बाजार कोलकाता

गोलू देव मंदिर, नैनीताल
उत्तराखंड

नैमिषारण्य जहाँ से सत्यनारायण व्रत कथा का उद्भव हुआ

An application has been received from Shri Kalki Bal Vatika through Pradhan Sri Om Prakash Gupta, V-2, Bahadur Apartment, 9, Raj Narain Road, Civil Line, Delhi-54, for seeking permission to install temple of Lord Kalki. It is averred that in several parts of India in different places, temple of Lord Kalki have been installed. The oldest one is of year 300-400 years. This process is repeatedly increasing in recent times. installation of temple of Lord Kalki in the compound of ~~sitapur~~ Maa Lalita Devi in Naimisharanya will inevitably be in the interest of Deity, as it will augment the income and will add to the improvement of the temple of Maa Lalita Devi. Further the probability/chances of illegal encroachment by the intruders would be avoided, as reported by the Manager of temple of Maa Lalita Devi.

After considering the entire facts and circumstances and the interest of Deity, I hereby accord permission to construct temple of Lord Kalki in the verandah situated towards left of the eastern gate of the temple in front of Hawan Kund. After the temple is constructed and Deity is vivified, the whole of the temple of Lord Kalki shall vest in Maa Lalita Devi and all the offerings, gifts, income, donations etc. of every kind shall be the part and parcel of the temple of Maa Lalita Devi.

Inform all concerned.

(N.L.Agrawal)
District Judge,
Sitapur.
25.11.2009.

नैमिषारण्य तीर्थ माँ ललिता मंदिर
सीतापुर

कोर्ट का ऑर्डर

श्री कल्कि भगवान की संगमरमर की मूर्ति बनवाने का सफर कल्कि जी जयपुर में ऐसे शुरू करवाते हैं

मार्बल खरीदने के बाद
ट्रैक्टर में लदान

क्रेन द्वारा कटिंग मशीन पर
मार्बल शिला को लाना

मार्बल शिला का मशीन द्वारा
साईज के हिसाब से टुकड़े करवाना

मार्बल शिला को कारीगर
के पास पहुंचवाना

भारी मूर्तियां गंतव्य स्थलों पर
क्रेन द्वारा पहुंचाई जाती हैं

कामना करें कल्कि जी की मूर्तियां शक्तिपीठ-सिद्धपीठ-गांधी नगर दिल्ली-गोलू देव, नैनीताल- कांशी विश्वनाथ- यू.पी. साहिबाबाद हल्द्वानी, रूद्रपुर, में शीघ्र लगें।

''जय कल्कि जय जगत्पते। पद्मापति जय रमापते॥''

भारत भूमि पर हमारा जन्म हमारे सौभाग्य की गाथा गाता है

भारत को एक सनातन राष्ट्र माना जाता है क्योंकि यह मानव सभ्यता का पहला राष्ट्र था। श्रीमद्भागवत के पंचम स्कंध में भारत राष्ट्र की स्थापना का वर्णन आता है। भारतीय दर्शन के अनुसार सृष्टि उत्पत्ति के पश्चात् ब्रह्मा के मानस पुत्र स्वयंभू मनु ने व्यवस्था संभाली। पहले भारतवर्ष का नाम ऋषभदेव के पिता नाभिराज के नाम अजनाभवर्ष प्रसिद्ध था। भरत के नाम से ही लोग अजनाभखंड को भारतवर्ष कहने लगे। यहाँ के वासी चारों वेद (अथर्ववेद, सामवेद, यजुर्वेद एवं ऋगवेद), उपनिषदों, पुराणों देवी देवताओं को मानते हैं और उनकी पूजा करते हैं।

भारतवर्ष वह स्थान है जो कर्मभूमि है जबकि विश्व के दूसरे राष्ट्र भोग भूमि की श्रेणी में आते हैं, यहाँ पूर्ण परात्पर परब्रह्म परमात्मा महाविष्णु धर्म की स्थापना के लिए हर युग में अवतरित होते हैं। महालक्ष्मी भी हर युग में उनके साथ आती हैं। त्रेता में श्रीराम के साथ सीता के रूप में द्वापर में श्रीकृष्ण के साथ राधा के रूप में और कलियुग में भगवान श्री कल्कि के साथ माँ पदमा के रूप में। भारतवर्ष का इतिहास अत्यंत गौरवशाली है। परंपरा, संस्कृति और ज्ञान की अद्भुत धरोहर हम भारतवासियों के पास है।

जब जीरो दिया मेरे भारत ने,
दुनिया को तब गिनती आई।
तारों की भाषा भारत ने
दुनिया को पहले सिखलाई।
देता न दशमलव भारत तो
चांद पे जाना मुश्किल था।
धरती और चांद की दूरी का
अंदाजा लगाना मुश्किल था।
सभ्यता यहाँ पहले आई-
पहले जन्मी है यहाँ पे कला।
अपना भारत वो भारत है जिसके पीछे संसार चला।
संसार चला और आगे बढ़ा- यूँ आगे बढ़ा- बढ़ता ही गया।
भगवान करे ये और बढ़े बढ़ता ही रहे और फूले फले

- आभार पूरब और पश्चिम चलचित्र

लेकिन डोडो पक्षी की तरह..... ऐ मेरे वतन के लोगों परमहंस हो जाओ (भारतवर्ष के लोग परमहंस हैं यहाँ आतंकवादी आएं या दूसरे हमलावर इन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता)-यज्ञ शर्मा क्या परमहंस शब्दकोश में स्वाभिमान नाम का शब्द है कि हम गर्व से कहें कि हम हिंदू हैं हम हिंदूस्तानी है

देश गुलाम कैसे बनता है?

मैं भारत में काफी घूमा हूँ। दाएं, बाएं, इधर-उधर मैंने यह देश छान मारा और यहाँ मुझे एक भी भिखारी, एक भी चोर देखने को नहीं मिला।

यह देश इतना समृद्ध है और इसके नैतिक मूल्य इतने उच्च हैं और यहाँ के लोग इतनी सक्षमता और योग्यता लिए हुए हैं कि हम यह देश कभी जीत सकते हैं यह मुझे नहीं लगा।

इस देश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा इस देश की रीढ़ है और हमें यदि यह देश जीतना है तो इसे तोड़ना ही पड़ेगा। उसके लिए इस देश की प्रार्थना, शिक्षा पद्धति और संस्कृति बदलनी ही पड़ेगी। भारतीय लोग यदि यह मानने लगें कि विदेशी (विशेषत: अंग्रेजों) जो हैं श्रेष्ठ हैं अपनी स्वयं की संस्कृति से भी ऊंची है तो वे अपना आत्मसम्मान गंवा बैंठेंगे और फिर वे वही बनेंगे जो हम चाहते हैं —एक गुलाम देश

2 फरवरी 1835 को ब्रिटेन की पार्लियामेंट में दिए गए लार्ड मैकाले के भाषण के कुछ अंश आभार : भारत स्वाभिमान ट्रस्ट फेस बुक

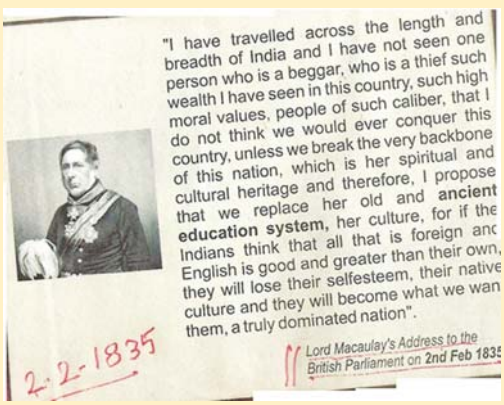
"I have travelled across the length and breadth of India and I have not seen one person who is a beggar, who is a thief such wealth I have seen in this country, such high moral values, people of such caliber, that I do not think we would ever conquer this country, unless we break the very backbone of this nation, which is her spiritual and cultural heritage and therefore, I propose that we replace her old and ancient education system, her culture, for if the Indians think that all that is foreign and English is good and greater than their own, they will lose their selfesteem, their native culture and they will become what we wan them, a truly dominated nation".

Lord Macaulay's Address to the British Parliament on 2nd Feb 1835

2-2-1835

गूगल से ली गई प्रतिलिपि जिसमें लॉर्ड मैकाले की स्टेटमेंट छपी है

अमेरिकी शटडाऊन

मारें भी और रोने भी न दें

महँगी पड़ी ओबामा प्रशासन पर टिप्पणी—पी.टी.आई, वाशिंगटन

बराक ओबामा प्रशासन के खिलाफ टिवटर पर गॉसिप फैलाने के आरोप में व्हाइट हाऊस के जिस स्टाफ को निकाल दिया गया था, वह भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक जोफी जोसफ हैं।

—आभार : नवभारत टाइम्स

Registered with the Registrar of Newspaper for India Under No. Delhi-N/2005/15596 Postal D. No. DL(DG)-11/8061/2012-2014

1 से 8 तक 25 ग्राम मूल्य 10 रुपए

साथियों, भगवान श्री कल्कि की चार मूर्तियाँ शीध्र ही लगने जा रही हैं—हल्द्वानी, रूद्रपुर, लखनऊ एवं गंगानगर कस्बा राय सिंह। आप अपना सहयोग निम्नलिखित श्री कल्कि बाल वाटिका के मूर्ति स्थापना प्रभारियों को भेज सकते हैं—

अलका गोयल	इंदू बंसल	मेघना गोयल	मनोज पांडे	मामाजी
9811281271	9818416191	7503215553	9212703815	9136377829

श्री कल्कि जी का शुभ का खजाना

अपनी आमदनी में से कम से कम एक प्रतिशत अधिक से अधिक दस प्रतिशत रुपया भगवान श्री कल्कि के शुभ के खजाने में डालें।

इस खजाने को कहाँ लगाएं?—श्री कल्कि बाल वाटिका की संस्कार रोपण कार्यशालाओं , श्री कल्कि जी के हवनों, सत्संग, कल्कि जी के उपचारों में, कल्कि जी के महोत्सवों-कीर्तन, अनुभव गोष्ठी, मूर्ति स्थापना, शोभा यात्रा, कल्कि जी के उत्सवों में आने जाने मे, कल्कि जी के आगामी बनने वाले संग्रहालयों में एवं कल्कि जी के अन्य प्रचार के कार्यों में लगाएं। साहित्य में कम से कम 25 से 30 प्रतिशत अवश्य लगाएं, इससे आपके घर एवं व्यापार के प्रगति के मार्ग योजनाबद्ध तरीके से खुलते चले जाएंगे।

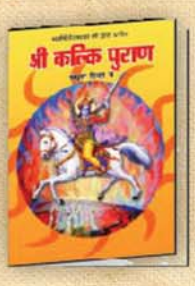

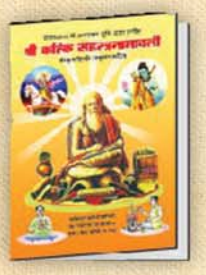

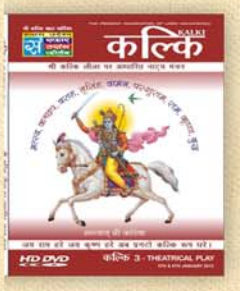

श्री कल्कि बाल वाटिका

चाँदनी चौक ❖ कसेरू वालान, पहाड़गंज ❖ पालनपुर ❖ देहरादून ❖ असरोही ❖ कोलकाता ❖ चेन्नई

1903/3, पहली मंजिल, चाँदनी चौक, दिल्ली-110006 सम्पर्क : 23886646, 23866661

हाउस नं. 4116, कसेरू वालान, पहाड़गंज, नई दिल्ली-55, सम्पर्क : 23587079

सी 0-2/16, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली-110035

कॉलेज कम्पाउन्ड, गीता सोसाईटी, पालनपुर : 385001, गुजरात, सम्पर्क : 02742-258068, 09824968440

2 नम्बर, हाईट रोड, लिलुआ, हावड़ा-711204 (कोलकाता)

आभार/Ack. : श्री कल्कि पुराण, ऋग वेद, ऋषि प्रसाद, स्वामी राम सुखदास, नवभारत टाइम्स

योगेश प्रकाश गुप्ता, दिल्ली द्वारा प्रकाशित व अन्य बालकों के ज्ञानवर्धन हेतु

प्रिंटर्स : शिवानी ऑफसैट, ए-36, सै.-8, नोएडा, गौतम बुद्धनगर (यू.पी.)

पारस प्रिंटिंग प्रेस, पटपड़गंज, नई दिल्ली

श्री कल्कि बाल वाटिका मासिक पत्रिका

के सदस्य बनने हेतु सम्पर्क करें—

☎9312533445, 9968066625, 9968314876

***वार्षिक सदस्यता शुल्क :* 120/- रुपए मात्र**

न करने का न करवाने का झंझट बस फोन करते रहें जब तक काम पूरा न हो

मंदिरों में भगवान श्री कल्कि जी की मूर्ति, पोशाक, लाईट प्रभारी : हर्षित गुप्ता, अंकित गड़ौदिया, अक्षय गड़ौदिया-9999885277

Regd. Office : 1903, 1st Floor, Chandni Chowk, Delhi-6, Tel.: 23973383